NEWS CLIPPING:14.03.2023

THE IMPRESSIVE TIMES

JC Bose University to start a journal on Science and Technology: Prof. S.K. Tomar

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

FARIDABAD : In order to encourage role of women in Science and Technology, J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, today announced to start a Research Journal namely 'J.C. Bose Journal on Science and Technology' to mark the celebration of International Women's Week. This was announced by the Vice-Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar while addressing the valedictory program organized by Internal Complaint Committee (ICC) cum Women Cell of the University on the occasion of International Women's week, here today. The Vice-Chancellor of Dr. B.R. Ambedkar National Law University, Sonipat, Dr. Archana Mishra was chief guest in the program. The Director General of National Power Training Institute (NPTI) Dr. Tripta Thakur and Prof. Vanita, Professor (Retd.) from Panjab University, Chandigarh, and eminent writer and social worker Mrs. Jaimala Tomar were present as guests of the honour. The program was convened by the chairperson of Women Cell Prof. Neetu Gupta. Speaking on this occasion, Prof. Tomar said that 'J.C. Bose Journal on Science and Technology' will be managed by the female faculty members of the University. He said that women and girls represent half of the world's population and they can play a vital role in science and technology communities, therefore, their participation needs to be strengthened.

PROF. TOMAR SAID THAT THE CONTRIBUTION OF WOMEN IN THE SOCIETY ESPECIALLY AS A MOTHER IS INCOMPARABLE. THEY ARE THE EPITOME OF DEDICATION AND TOLERANCE AND THIS DAY WHICH IS MEANT FOR WOMEN IS DEDICATED TO ALL THE MOTHERS ACROSS THE WORLD.

NEWS CLIPPING:14.03.2023

HADOTI ADHIKAR

पुरुष सत्तात्मक प्रवृत्ति को शिक्षा के माध्यम से ही बदला जा सकता है : डॉ. अर्चना मिश्रा

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय शुरू करेगा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शोध जर्नल

हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 13 मार्च। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के उपलक्ष में 'जे.सी. बोस जर्नल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी' शुरू करने की घोषणा की है।

यह घोषणा कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने आज यहां विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) व महिला प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए की। इस अवसर पर डॉ. बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत की कुलपति डॉ. अर्चना मिश्रा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआई) की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) वनिता और प्रतिष्ठित लेखिका एवं सामाजिक कार्यकर्ता जयमाला तोमर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रो नीतू गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. तोमर ने कहा कि जे.सी. बोस जर्नल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी का संचालन, संपादन एवं प्रबंधकीय कार्य विश्वविद्यालय की महिला संकाय सदस्यों द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाएं और लड़कियां दुनिया की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं और वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, इसलिए उनकी भागीदारी को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

अपने संबोधन में डॉ. अर्चना मिश्रा ने कहा कि दुनिया की आधी आबादी अर्थात महिलाओं की कई दशकों तक अनदेखी हुई है, लेकिन अब महिलाओं की नई पीढ़ी सामाजिक बंधनों को तोड़कर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि समाज में पुरुष सत्तात्मक प्रवृत्ति को शिक्षा के माध्यम से ही बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका बढ़ती है तो इससे देश की प्रगति को गति मिलेगी क्योंकि एक महिला को शिक्षित करने का अर्थ है परिवार, राष्ट्र और समाज को शिक्षित करना है।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:14.03.2023

PIONEER

जेसी बोस शुरू करेगा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शोध

अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह के उपलक्ष में कुलपति प्रो. तोमर ने की घोषणा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के उपलक्ष में 'जे.सी. बोस जर्नल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी' शुरू करने की घोषणा की है।

यह घोषणा कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने यहां विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) व महिला प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए की। इस अवसर पर डॉ. बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत की कुलपति डॉ. अर्चना मिश्रा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआई) की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) वनिता और प्रतिष्ठित लेखिका एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती जयमाला तोमर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रो नीतू गुप्ता ने किया।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. एसके तोमर एवं मुख्य अतिथि डॉ. अर्चना मिश्रा।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. तोमर ने कहा कि जे.सी. बोस जर्नल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी का संचालन, संपादन एवं प्रबंधकीय कार्य विश्वविद्यालय की महिला संकाय सदस्यों द्वारा किया जाएगा।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:14.03.2023

TEHELKA JAJBA

जेसी. बोस विश्वविद्यालय शुरू करेगा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शोध जर्नल

तहलका जज्बा / दीपा राणा

फरीदाबाद। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के उपलक्ष में 'जेसी. बोस जर्नल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी' शुरू करने की घोषणा की है।

यह घोषणा कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने सोमवार को विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) व महिला प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए की। इस अवसर पर डॉ.बीआर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत की कुलपति डॉ. अर्चना मिश्रा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआई) की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) वनिता और प्रतिष्ठित लेखिका एवं सामाजिक कार्यकर्ता जयमाला तोमर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का

संचालन महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रो नीतू गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो.तोमर ने कहा कि जे.सी. बोस जर्नल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी का संचालन, संपादन एवं प्रबंधकीय कार्य विश्वविद्यालय की महिला संकाय सदस्यों द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाएं और लड़कियां दुनिया की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं। वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, इसलिए उनकी भागीदारी को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज में निर्णायक भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने की जरूरत है। विश्वविद्यालय के 15 में से आठ शिक्षण विभागों का नेतृत्व महिला संकाय कर रही हैं। प्रो. तोमर ने कहा कि समाज में विशेषकर मां के रूप में महिलाओं का योगदान अतुलनीय है। वे समर्पण और सहनशीलता की प्रतीक हैं और यह दिन जो महिलाओं के लिए है, दुनिया भर की सभी माताओं को समर्पित है।

अपने संबोधन में डॉ. अर्चना मिश्रा ने कहा कि दुनिया की आधी आबादी अर्थात महिलाओं की कई दशकों तक अनदेखी हुई है, लेकिन अब महिलाओं की नई पीढ़ी सामाजिक बंधनों को तोड़कर आगे बढ़ रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयमाला तोमर ने समाज में महिलाओं की भूमिका का वर्णन करते हुए कहा कि एक अशिक्षित महिला भी अपने बच्चों के जीवन को संवारने की क्षमता रखती है। अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं जिसमें रंगोली प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा गीत, कविता, मोनो एक्ट और नृत्य के रूप में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों ने सम्मानित किया।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:14.03.2023

HINDUSTAN

विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ रहीं महिलाएं : तोमर

कार्यक्रम

फरीदाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) व महिला प्रकोष्ठ द्वारा सोमवार को अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. तोमर ने कहा कि महिलाएं दुनिया की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं और वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, इसलिए उनकी भागीदारी को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि समाज में निर्णायक भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने की जरूरत है। विश्वविद्यालय के 15 में से आठ शिक्षण विभागों का नेतृत्व महिला संकाय कर रही हैं। कार्यक्रम में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत की कुलपति डॉ. अर्चना मिश्रा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधन में कहा कि महिलाओं की नई पीढ़ी सामाजिक बंधनों को तोड़कर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका बढ़ती है तो इससे देश की प्रगति को गति मिलेगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर व पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) वनिता और प्रतिष्ठित लेखिका एवं सामाजिक कार्यकर्ता जयमाला तोमर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रो नीतू गुप्ता ने किया। इससे पहले प्रो. नीतू गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया।

जी बोस यूनिवर्सिटी में सोमवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह पर दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती मुख्य अतिथि डॉ. अर्चना मिश्रा । • हिन्दुस्तान

महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए घोषणा की

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में जेसी. बोस जर्नल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी' शुरू करने की घोषणा की है।

NEWS CLIPPING:14.03.2023

PUNJAB KESARI

जे.सी. बोस वि.वि. शुरू करेगा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शोध जर्नल

अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के उपलक्ष में कुलपति प्रो. तोमर ने की घोषणा

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका को प्रोत्साहित करना उद्देश्य

NEWS CLIPPING:14.03.2023

AMAR UJALA

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर जेसी बोस में होगा शोध

फरीदाबाद। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह के उपलक्ष्य में 'जेसी बोस जर्नल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी' शुरू करने की घोषणा की है। यह घोषणा कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने सोमवार को की। संवाद

NEWS CLIPPING:14.03.2023

DAINIK JAGRAN

जेसी बोस विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर शोध जर्नल शुरू

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. सुशील तोमर ने जेसी बोस जर्नल आन साइंस एंड टेक्नोलाजी शुरू करने की घोषणा की। कार्यक्रम आंतरिक शिकायत समिति (आइसीसी) व महिला प्रकोष्ठ द्वारा किया जा रहा है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डा.बीआर. आंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय सोनीपत की कुलपति डा. अर्चना मिश्रा मुख्य अतिथि रहीं। राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआइ) की महानिदेशक डा. तृप्ता ठाकुर, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ की सेवानिवृत प्रोफेसर वनिता और सामाजिक कार्यकर्ता जयमाला तोमर सम्मानित अतिथि रहीं। संचालन महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रो नीतू गुप्ता ने किया।

प्रो. सुशील तोमर ने कहा कि जेसी बोस जर्नल आन साइंस एंड टेक्नोलाजी का संचालन, संपादन एवं प्रबंधकीय कार्य विश्वविद्यालय की महिला संकाय सदस्यों द्वारा किया जाएगा। महिलाएं दुनिया की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं और वह विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। डा. अर्चना मिश्रा ने कहा कि दुनिया की आधी आबादी की कई दशकों तक अनदेखी हुई है। जयमाला तोमर ने कहा कि अशिक्षित महिला भी अपने बच्चों के जीवन को संवारने की क्षमता रखती है।